Patrika (Indore), 12th December 2020, Page-6

आइआइटी इंदौर के शोधकर्ताओं ने ईबीवी के फैलाव पर किया अध्ययन

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी से शुरुआत में ही पहचाना जा सकता है इंफेक्शन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (आरएस) से किसी भी तरह के इंफेक्शन को अर्ली स्टेज में डिटेक्ट किया जा सकता है। यह बात आइआइटी इंदौर के शोधकर्ताओं ने अपने एक शोध में कही। शोधकर्ता दीक्षा तिवारी, श्वेता जखमोला और देवेश पाठक ने आइआइटी में प्राध्यापक डॉ. हेमचंद्र झा और डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) के मस्तिष्क की कोशिकाओं में फैलाव का अध्ययन आरएस के जरिए किया। दरअसल, ईबीवी वायरस मस्तिष्क में ग्लियल कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है और वायरस नैसोफेरींजल कार्सिनोमा (सिर और गर्दन के कैंसर का एक प्रकार), बी-सेल (सफेद रक्त कोशिकाओं का एक प्रकार) कैंसर, पेट के कैंसर आदि जैसे कैंसर का कारण भी है। 95 फीसदी से अधिक वयस्क आबादी में ईबीवी पाया जाता है।

संक्रमण के पैटर्न को समझने में मिली मदद

डॉ. झा ने बताया, आरएस के जरिए ईबीवी के संक्रमण के पैटर्न को जानने में मदद मिली। इससे पता चला कि इस तकनीक से इंफेक्शन का अर्ली डिटेक्शन किया जा सकता है। अध्ययन के दौरान हमने पाया कि यह वायरस मस्तिष्क की विभिन्न प्रकार की ग्लियल कोशिकाओं को संक्रमित करने और फैलाने के लिए अलग-अलग समय लेता है। डॉ. राजेश ने बताया, फॉस्फो-इनोसिटॉल जैसे अणु मस्तिष्क की कोशिकाओं में ईबीवी संक्रमण के दौरान मुख्य रूप से बढ़ जाते हैं।